अेशीयाकी सरकारों और अन्य नीती नीर्धारकोंको खुली चीड्डी

वीषय: क्रायसोटाइल अेस्बेस्टोस को लेकर स्वास्थ्य चेतावनी

हम, संशोधक, वैज्ञानीक, डोकटर, पुरे विश्वमें फैले पेशेगत बिमारीयां और अेस्बेस्टोस संबंधीत बिमारीयांके तज्ञ, अेस्बेस्टोसकी बिमारीयोंसे पीडीतोंके समुहके और मजदुर संघोंके नुमाईंदे आपको लीखी गइ अीस खुली चीड्डीका समर्थन करते है और क्रायसोटाइल अेस्बेस्टोसके जारी उपयोगके चलते हमारी भारी चींता व्यक्त कतरे है. अेस्बेस्टोसके उपयोगके चलते होनेवाले केन्सर और अन्य बिमारीयांके अकाटय प्रमाण मौजुद होने बावजुद यह जारी है.

आपके देशमें अीसका प्रयोग जारी रखनेके संदर्भमें हम आपका ध्यान नीम्नलीखीत पर आकृष्ट करते है-

- आज वीश्वमें अेस्बेस्टोस संबंधीत बिमारीयांका प्रमुख कारण क्रायसोटाइल अेस्बेस्सटोस है. क्रायसोटाइल अेस्बेस्टोस अन्य सारे प्रकारके अेस्बेस्टोसके साथ, फेफडोंका केन्सर, मेसोथेलीओमा,अेब्सेस्टोसीस, स्वरपेटीका केन्सर और बच्चेदानीके केन्सरके लीअे नी:संदेह जाने जाते है. कइ सारे केन्सरका क्रायसोटाउलसे सीधे जुडावके आंतर्राष्ट्रीय बेदाग प्रमाण मौजुद है और इन्टरनेशनल अेजन्सी फोर रीसर्च ओन केन्सरने उसे डाकुमेन्ट कीया है.

- जो क्रायसोटाइल अेस्बेस्टोसके उपयोगको जारी रखनेकी तरफदारी कर रहे है उनका यह दावा सरासर गलत है कि क्रायसोटाइलके तंतु फेफडोंमें १४ दिनोंमें घुल जाते है.

- जो क्रायसोटाइल अेस्बेस्टोसके उपयोगको जारी रखनेकी तरफदारी कर रहे है उनका यह दावाभी झुठा है कि ८०% विश्व अभी भी क्रायसोटाइलका उपयोग कर रहा है. विश्वके अधिकतर देशोंने आज या तो क्रायसोटाइल पर पाबंदी लगा दी है या मझदुरों और नागरीकों पर जानलेवा केन्सरके डरसे उसका उपयोग छोड दिया है. २०१५में

सीर्फ ८७ देशोंने रो अेस्बेस्टोसके प्रयोगकी जानकारी दी हैऔरे उनमेंसे अधिकतर बहुत छोटे पैमाने पर है. युनाइटेड नेशन्सके १९५ देशोंमेंसे १५% से भी कम देशोंने २०१५में क्रायसोटाइल अेस्बेस्टोसका १००० टनसे कमका प्रयोग किया. इसी वर्ष विश्वके सीर्फ सात देशोंने उसका ५०,००० टनसे अधीकका प्रयोग किया. (जैसे चीन, भारत, इन्डोनेशीया, वियेटनाम, उझबेकिस्तान, ब्राझील और रुस) विश्वमें अब सीर्फ अेशीया आखरी ही बचा है जो क्रायसोटाइल अेस्बेस्टोसका बडा कन्ज्युमर है जो विश्वके वार्षीक उपयोग का ७५% प्रयोग करता है

- मझदुरोंको अेस्बेस्टोसके खतरोंसे बचाने और अेस्बेस्टोस संबंधीत बिमारीयोंको अटकाने हेतु सर्वाधीक असरदार उपाय अेब्सेस्टोसके सभ्य देशोंकि लेबर कोन्फरन्सने २००६में यह बात बताइ.

- विश्वआरोग्य संस्थानने तो बार बार यह बताया है कि अेस्बेस्टोस संबंधीत बिमारीयोंको अटकाने हेतु सर्वाधीक असरदार उपाय सभी प्रकारके अेब्सेस्टोसके प्रयोगको खत्म करना ही है.

- उसके प्रयोगकि समुची श्रेणीमें जुडे मजदुरोंके लिअे अेस्बेस्टोसके सलामत उपयोगकि कोइ गुंजाइश नही है. किसी देशके अेस्बेस्टोस संबंधीत बिमारीयांका बोझ उस देशमें प्रयोगमें लाअे जाने वाले (कन्जम्पशन) अेस्बेस्टोसके प्रमाणके सीधे अनुपातमें होता है . औद्योगीक देशोंमें अैस्बेस्टोसके सलामत उपयोगकि सारी कोशीशोंके बावजुद उन पर गीरा अेस्बेस्टोस संबंधीत बिमारीओंका बोझका संबंध उन देशोंमें सालों (डीकेडस) पहले प्रयोगमें लाअे गअे अेस्बेस्टोससे है यह बात वहां कि गइ स्तडीझ से निकल कर आया है.

- २०१७में प्रकाशीत २०१६के अेस्बेस्टोस संबंधीत मृत्युका वैश्वीक बोझका प्रमाण सालाना २२२,००० आंका गया है. इसके प्रमाणभी मौजुद है कि इतने वडे और भयावह आंकडेभी अन्डर अेस्टीमेट है.

- अेस्बेस्टोसके प्रयोगको जारी रखने हेतू दी जाने वाली दलील यह

होती है कि अेस्बेस्टोस संमीलीत उत्पाद किफायती और सस्ती होती है, खासतौर पर गरीबोंके लिअे सस्ती गृह निर्माण सामग्री मुहैया कराती है. जब आप इस पर गौर करते हो तब अेस्बेस्टोस संबंधीत बिमारीओंसे ग्रस्त लोगोंको बिमारीके इलाज हेतु होनेवाले खर्च और उनको देने पडते मुआवजे पर होनेवाले खर्चको गीनतीमें लीया नही जाता है. उन घरोंमें रहनेका जोखीम और भविष्यमें उसे हटानेका ओर सही नीकालमें लगनेवाले खर्चकी भी गीनती करनी होगी.

अेस्बेस्टोसके सुरक्षीत और आर्थीक रुपसे वाअेबल विकल्पों आज अेशीयामें और जो देशोमें अेस्बेस्टोस पर पाबंदी लगी हुइ है, प्रयोगमें लीअे जा रहे है.

अेशीयामें आज उपलब्ध अेस्बेस्टोस मुक्त टैकनोलोजीका फायदा उठाकर हम अपने क्षेत्रमें हरे उद्यौगको बढावा देकर रोजगारीके नअे मौके तलाश सकते है.

कइ सारे औद्योगीक देशोका यह अनुभव रहा है कि सरकारोंकि अेस्बेस्टोसके जोखीमोंसे लोगोंके स्वास्थ्यकी सुरक्षा करनेमें समय रहते मानी गई नाकामीके चलते लोग नाराज होते है, आंदोलन करते है और कानुनी लडाइ लडते है.

विश्व स्वास्थ्य संस्थानकी नइ स्टडीके हीसाबसे उन सभी देशोमें जीन्होंने अेस्बेस्टोस पर पाबंदी लगा दी है, उनकी जीडीपी पर कोइ नकारात्मक असर देखी नही गइ

लोगोंकी जान बचाने, अेस्बेस्टोस संबंधीत बिमारीया कम करने, चीरंजीव आर्थीक विकासका साथ देने और अेशीयामें बीनचाही सामाजीक असुरक्षीततासे बचने हेतु क्रायसोटाइल अेस्बेस्टोसका हर कीसी उत्पादमें प्रयोग करने पर पाबंदी लगाने और नीर्माण सामग्रीमें से उसे हटाने हेतु हम सरकारोंसे तुरंत कार्यवाही उठानेकी अपील करते है.